Metro News
02.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
1	Free press	Bhopal	02.12.2023	06	Steel girders ready for installation over Indore-Dewas rail line near MR10	Neutral

BHOPAL 06

www.freepressjournal.in BHOPAL | SATURDAY | DECEMBER 2, 2023

METRO RAIL WORK

Steel girders ready for installation over Indore-Dewas rail line near MR 10

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

Three steel girders that would be used for the portion of the Metro train bridge being constructed over the Indore-Dewas rail line have reached the vacant land near MR 10 bridge.

Now, the Metro authorities have sought permission from the railways to install the girders and it is expected that they would receive the permission in December or in January.

The width of these girders is approximately 45 metres and the height is 9 metres. Nowadays, only steel girders can be installed over railway lines. Earlier, the Metro authorities were planning to install RCC girders. The design of the steel girders has been approved by the railways. The girder would be placed on the pillars built on both sides of the railway line with the help of big cranes.

To install the girder, MPMRCL will ask for time slots (known as blocks) from the Ratlam railway division. The Metro authorities would likely be given slots in the night when movement of trains is less. Train movements would be stopped during these blocks.

After MR 10 bridge, steel girders will also placed on the Indore-Fatehabad-Ratlam rail line passing under the Super Corridor Rail overbridge. According to information, process of getting the design drawing of the girders approved by the railways is ongoing.

Metro News
05.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	नई दुनिया	भोपाल	05 .12.2023	II	रत्नागिरी से भदभदा तक बनेगे 13 मेट्रो स्टेशन	Neutral

नवदुनिया
भोपाल, मंगलवार, 05 दिसंबर, 2023

रत्नागिरी से भदभदा तक बनेंगे 13 मेट्रो स्टेशन

सर्वे हुआ पूरा ● आरेंज के बाद दूसरी प्रमुख लाइन होगी ब्लू लाइन, इसका भी काम हो चुका है शुरू

विश्वास चतुर्वेदी ● भोपाल

राजधानी में सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन हो चुका है। अब जल्द ही एम्स से सुभाष नगर तक करीब सात किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का कामर्शियल रन शुरू हो जाएगा। इधर, रत्नागिरी तिराहे से भदभदा चौराहे तक मेट्रो की ब्लू लाइन के निर्माण के लिए भी कंपनी ने काम शुरू कर दिया है। इसमें 14 किलोमीटर का एलिवेटेड कारिडोर और 13 मेट्रो स्टेशन समेत अन्य निर्माण कार्य होंगे। इन कार्यों पर 1122 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

वर्ष 2024 में इसका काम शुरू हो जाएगा, जिसे 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं एम्स से करोंद तक प्रस्तावित करीब 16 किलोमीटर लंबे कारिडोर का काम 2027 तक पूरा होगा। इसके बाद शहर के 30 किलोमीटर मार्ग में मेट्रो का संचालन किया जाएगा।

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक करीब पांच किलोमीटर के प्रायोरिटी कारिडोर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि रानी कमलापति से एम्स तक एलिवेटेड कारिडोर बनकर तैयार हो गया है। अभी रानी कमलापति से हबीबगंज नाके के बीच रेलवे लाइन के ऊपर स्टील ब्रिज बिछाया जाना शेष है।

इसके बाद एम्स से सुभाष नगर तक मेट्रो का कामर्शियल रन शुरू कर दिया जाएगा। अभी इसमें ट्रैक बिछाने और इलेक्ट्रिफिकेशन से संबंधित कार्य हो रहे हैं, जबकि सुभाष नगर से करोंद तक करीब 9.83 किलोमीटर एलिवेटेड व भूमिगत कारिडोर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं।

जल्द ही इस मार्ग का निरीक्षण करने और इसमें रोड़ा बन रहे निर्माण को हटाने के बाद कारिडोर का काम शुरू होगा।

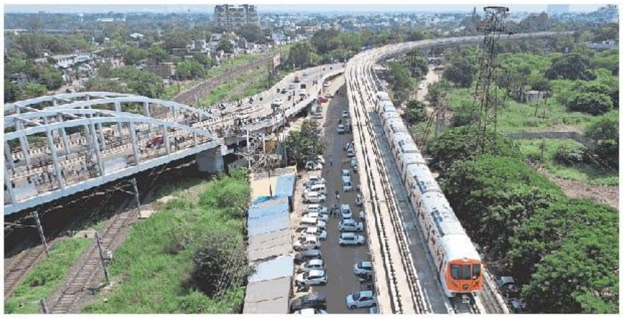

मेट्रो के पहले चरण में सुभाष नगर से एम्स तक का रूट बनकर तैयार हो गया है, इसका ट्रायल भी हो चुका है। ● नवदुनिया

- **कारिडोर व स्टेशन निर्माण समेत अन्य कार्य में खर्च होंगे 1122 करोड़**
- **वर्ष 2026 तक पूरा होगा प्रोजेक्ट, 2027 से शहर के 30 किलोमीटर क्षेत्र में दौड़ेगी मेट्रो**

रत्नागिरी से भदभदा मार्ग के लिए अधिकारियों ने किया निरीक्षण

रत्नागिरी से भदभदा तक एलिवेटेड कारिडोर बनेगा। इसमें मेट्रो स्टेशन, पिलर व कारिडोर निर्माण के लिए अधिकारियों ने निरीक्षण भी किया है। साथ ही मिट्टी की टेस्टिंग भी की गई है। अब आचार संहिता खत्म होने के बाद जल्द ही इसका टेंडर जारी किया जाएगा।

सुभाष नगर स्थित डिपो में खड़ी मेट्रो ट्रेन, इसका ट्रायल रन हो चुका है। ● नवदुनिया

भूमिगत ट्रैक के लिए 60 हजार घन मीटर पत्थर की होगी खोदाई

आरेंज लाइन में ऐशबाग स्थित आरा मिल से डीआइजी बंगला तक दो किलोमीटर का मेट्रो ट्रैक भूमिगत होगा। इसके अंदर दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इसमें इलेक्ट्रीफिकेशन, पत्थरों की खोदाई समेत अन्य कार्यों में 892 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस दौरान दो किलोमीटर टनल बनाने के लिए 60 हजार घन मीटर पत्थर निकालना पड़ेगा।

सुभाष नगर से करोंद तक 647 करोड़ रुपये से बनेगा एलिवेटेड कारिडोर

एम्स से करोंद तक करीब 16 किलोमीटर एलिवेटेड व भूमिगत कारिडोर में मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इसमें एम्स से सुभाष नगर तक 90 फीसद सिविल वर्क पूरा हो गया है। अब सुभाष नगर से ऐशबाग स्थित आरा मिल तक एलिवेटेड कारिडोर बनेगा। जबकि इसके आगे आरा मिल से मेट्रो भूमिगत हो जाएगी, जो सिंधी कालोनी के पास स्थित बड़े बाग से एलिवेटेड कारिडोर तक पहुंचेगी। डीआइजी बंगला से करोंद तक फिर एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण होगा। इसमें 647 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

ये होगा मेट्रो में खास

- शहर में कुल 27 मेट्रो ट्रेन चलेगी। प्रतिदिन 3.50 लाख यात्री कर सकेंगे यात्रा।
- यात्रियों को स्टेशन पर हर दो मिनट में मिलेगी मेट्रो।
- स्टेशन पर यात्रियों के लिए ग्राहक सेवा केंद्र बनेंगे।
- मेट्रो 80 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ेगी।
- दिव्यांगों के लिए निर्धारित स्थान व स्वचालित दरवाजे होंगे।
- मेट्रो स्टेशनों में पुरुष, महिला, दिव्यांग और ट्रांसजेंडरों के लिए टायलेट सुविधा।

"अभी हमारी प्राथमिकता मार्च 2024 तक प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का कामर्शियल रन करने की है। इसके लिए सुभाष नगर से एम्स तक सिविल वर्क पूरा किया जा रहा है। इसके बाद सुभाष नगर से करोंद और रत्नागिरी से भदभदा तक मेट्रो कारिडोर का कार्य शुरू होगा।

– **मनीष सिंह,**
एमडी मप्र मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	05.12.2023	03	मेट्रो के दो रूट तैयार करने दिसम्बर-26 का टारगेट, अब काम पकड़ेगा ओर रफ्तार	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3
महानगर
सूर्यास्त (मंगलवार): 05:34 सूर्योदय (बुधवार): 06:47
तापमान अधिकतम 24.9° न्यूनतम 18.7°
भोपाल
मंगलवार, 05 दिसम्बर 2023

आचार संहिता खत्म होने के बाद खुलेंगे रूट निर्माण के टेंडर

मेट्रो के दो रूट तैयार करने दिसंबर-26 का टारगेट, अब काम पकड़ेगा और रफ्तार

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में अगले तीन साल में दो रूट पर मेट्रो दौड़ाने का टारगेट रखा गया है। मौजूदा स्थिति में पहले रूट के आधे हिस्से पर छह महीने बाद मेट्रो का संचालन शुरू हो पाएगा। बाकी रूट का निर्माण अभी चालू नहीं हो पाया है। आचार संहिता खत्म होते ही निर्माण एजेंसियों के चयन के साथ कार्य के और रफ्तार पकड़ने की संभावना है।

मेट्रो प्रोजेक्ट में पहले फेज में एम्स से करोंद और डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक का मार्ग शामिल किया गया है। इनकी कुल लंबाई 30.95 किमी है। दोनों रूट के लिए 30 स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। रूट तैयार करने पर 6941 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया गया है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने दिसंबर, 2026 तक दोनों रूट बनाने का लक्ष्य तय किया है।

647 करोड़ से बनेगा बाकी मार्ग, वर्क ऑर्डर होना बाकी: पहले रूट के बाकी हिस्से यानि सुभाष नगर से करोंद के बीच मेट्रो रूट निर्माण की प्रक्रिया चुनाव के पहले शुरू कर दी गई थी। निर्माण एजेंसी के चयन के लिए टेंडर जारी कर दिए गए थे। इसकी अनुमानित लागत 647 करोड़ रुपए है। बताया जा रहा है आचार संहिता खत्म होते ही वर्क ऑर्डर जारी हो जाएंगे।

एम्स से सुभाष नगर रूट तैयार होने में पांच साल लग गए

पहले रूट के आधे हिस्से एम्स से सुभाष नगर तक एलिवेटेड रूट के निर्माण का जिम्मा दिलीप बिल्डकॉन को 2018 के आखिर मे सौंपा गया था। इस करीब पौने सात किमी लंबे मार्ग के लिए सिविल वर्क के साथ ही पटरियां बिछाने, सिग्नलिंग, स्टेशन व कोच निर्माण पूरा होने मे ही करीब पांच साल लग गया। अभी रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच मेट्रो का ट्रायल रन किया जा रहा है। रानी कमलापति से एम्स के बीच कुछ काम बाकी है। इस रूट पर यात्रियों के साथ सफर की शुरुआत अगले साल जून-जुलाई में होगी।

अगले साल दूसरे रूट का काम जमीन पर उतारने की तैयारी

भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक मेट्रो का दूसरा रूट बनाने की तैयारी भी आचार संहित लागू होने के पहले चालू कर दी गई थी। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसके निर्माण पर 1122 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान लगाया है। यह रूट करीब 13 किमी लंबा होगा और इस पर इतने ही स्टेशन बनाए जाएंगे। रूट और स्टेशन जमीन के ऊपर यानि एलिवेटेड रहेंगे। भदभदा चौराहा, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहा पर स्टेशन बनेंगे। यह रूट बनाने के लिए तीन साल की समय सीमा तय की गई है।

दोनों नए काम ईआईबी के लोन से होंगे

मेट्रो के दोनो रूट के निर्माण के लिए केंद्र व राज्य सरकार की वित्तीय मदद के अलावा यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक से कर्ज भी लिया जा रहा है। ईआईबी से 3300 करोड़ से ज्यादा का लोन लिया जाएगा। इस राशि से पहले रूट पर स्टेशनो का निर्माण किया जा रहा है। साथ ही सुभाष नगर से करोंद और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक के रूट कर्ज की राशि से बनाए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	हरि भूमि	भोपाल	05.12.2023	03	मेट्रो के लिए स्टील ब्रिज पहुंचा राजधानी इस माह के अंत तक तैयार होने के आसार	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार दिसंबर 2023

कई पार्टस में आया है, रेलवे क्रॉसिंग के पास निर्माण शुरू

रेलवे से मंजूरी लेकर बायडक्ट पर रखा जाएगा दिल्ली मेट्रो के डिजाइन पर तैयार हुआ ब्रिज

मेट्रो के लिए स्टील ब्रिज पहुंचा राजधानी इस माह के अंत तक तैयार होने के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेट्रो कंपनी का रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से एम्स तक चल रहा काम अब अंतिम चरणों में है। इसके लिए डीआरएम से रेलवे क्रॉसिंग तक पुल बनाने का काम चल रहा है, जिसके लिए स्टील ब्रिज कई पार्टस में भोपाल पहुंच गया।

सभी पार्टस को जोड़कर रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बायडक्ट पर रखा जाएगा। इसके लिए रेलवे से पहले अनुमति ली जाएगी। मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, राजस्थान अलवर से आया ब्रिज दिल्ली मेट्रो के डिजाइन पर तैयार किया जा रहा है। ब्रिज के अधिकतर पार्टस भोपाल पहुंच गए हैं। कुछ छोटे पार्टस एक-दो दिन में और पहुंच जाएंगे, जिससे पूरा पुल तैयार हो जाएगा। इसके तैयार होने पर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से एम्स तक ट्रैक बिछाने का काम भी पूरा होने के बाद नए वर्ष में मई या जून माह तक मेट्रो चलने लगेगी।

अब अधिकारियों का निरीक्षण होगा शुरू

भोपाल मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों की अचार संहिता खत्म होते ही अब काम की गति बढ़ेगी और निरीक्षण भी चालू हो जाएगा। इससे उम्मीद है कि अगले साल के अंत तक करोंद और रत्नागिरी का काम शुरू हो जाएगा और सुभाष नगर से एम्स तक का मेट्रो काम पूरा हो जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	पत्रिका	भोपाल	05.12.2023	II	दो माह मे तैयार होंगे तीन मेट्रो स्टेशन	Neutral

आचार संहिता हटते ही काम तेज, जून 2024 तक ट्रेन शुरू करने का दावा

दो माह में तैयार होंगे तीन मेट्रो स्टेशन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. मेट्रो ट्रेन का आचार संहिता के पहले ट्रायल हो चुका है और जून 2024 तक आमजन को सफर का दावा किया जा रहा है। इधर, मेट्रो कॉरपोरेशन ने गणेश मंदिर से एम्स के बीच तीन स्टेशनों का काम तेज कर दिया है। गणेश मंदिर से साकेत नगर मेट्रो आरओबी का फाउंडेशन का काम भी हो चुका है। इस माह के आखिर तक ब्रिज का फ्रेब्रिकेटेड ढांचा स्थापित कर दिया जाएगा। यानि मेट्रो का रानी कमलापति से एम्स की ओर का रास्ता पूरी तरह से तैयार हो जाएगा।

अब इनपर भी तेज होगा काम

- जीजी फ्लाइओवर काम जल्द पूरा हो
- बावड़िया चौराहा से नर्मदापुरम रोड विधानगर आइएसबीटी होता हुआ आशिमा के पास ब्रिज
- लालघाटी से सीहोर नाका तक एलीवेटेड रोड निर्माण
- बीयू से मिसरोद तक बीआरटीएस के उपर साढ़े पांच किमी की एलीवेटेड रोड
- मिसरोद, करोद व नरसिंहगढ़ रोड पर नए बाजार विकसित करने का काम
- काली मंदिर से हमीदिया रोड होते हुए आगे स्टेशन व आगे तक निकालने ब्रिज
- वीआइपी रोड आठ लेन प्रोजेक्ट को भी व्यवहारिकतौर पर बेहतर कर शुरू करना
- आउटर रिंग रोड का काम

Metro News
06.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	राज एक्सप्रेस	भोपाल	06 .12.2023	5	ऐसा होगा मेट्रो स्टेशन, सुभाष नगर के अंदर की पहली तस्वीर	Positive

ऐसा होगा मेट्रो स्टेशन, सुभाष नगर के अंदर की पहली तस्वीर

तैयारियां : आठ स्टेशन का काम तेजी से चल रहा

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में प्रायोरिटी कॉरिडोर यानि सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो दौड़ाने की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस बीच मेट्रो स्टेशन के अंदर की पहली तस्वीर सामने आई है। भोपाल मेट्रो रेल ने सुभाष नगर स्टेशन की फोटो साझा की है। इसके साथ लिखा है कि आर्किटेक्चरल फिनिशिंग का कार्य फास्ट ट्रेक पर चल रहा है। जमीन के ऊपर आठ मेट्रो स्टेशन के निर्माण का जिम्मा तमिलनाडु की यूआरसी कंस्ट्रक्शन को नवंबर, 2021 में सौंपा गया था। इस पर 426.67 करोड़ रुपए खर्च होगा। कंपनी सुभाष नगर और एम्स के अलावा अलकापुरी, हबीबगंज नाका, रानी कमलापति स्टेशन, एमपी नगर जोन 1 व डीबी सिटी मॉल के सामने स्टेशन बना रही है। इस कार्य को पूरा करने के लिए 847 दिन यानि सवा दो साल से कुछ अधिक का समय दिया गया है।

ऐसे होंगे स्टेशन

- अधिकतम छह कोच की क्षमता
- सभी ग्रीन बिल्डिंग
- एलिवेटेड स्टेशन बॉक्स 21 मीटर चौड़े और 140 मीटर लंबे होंगे
- यात्रियों और खास तौर से महिलाओं की सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से लैस सीसीटीवी
- यात्रियों के लिए सीढ़ी के अलावा लिफ्ट और एस्केलेटर की सुविधा
- अत्याधुनिक फायर फाइटिंग सिस्टम
- दिव्यांगों के लिए निर्धारित स्थान व ऑटोमैटिक गेट
- ऑटोमैटिक फेयर कलेक्शन सिस्टम
- पैसेंज इंफोर्मेशन सेंटर, ऑडियो अनाउंसमेंट, कस्टमर केयर सेंटर
- साइकिल डेक के साथ ड्रॉप ऑफ और पिक पॉइंट की सुविधा
- महिला, पुरुष, दिव्यांग व थर्ड जेंडर के लिए अलग टॉयलेट

Metro News
07.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	नव दुनिया	भोपाल	07.12 .2023	02	भोपाल मेट्रो के लिए अलवर से आया 626 टन स्टील, असेम्ब्लिंग के बाद पिलर चढ़ेगा	Positive

भोपाल मेट्रो के लिए अलवर से आया 626 टन स्टील, असेंबलिंग के बाद पिलर चढ़ेगा

तैयारी ● डीआरएम दफ्तर से आरकेएमपी के बीच जनवरी तक बनेंगे दो स्टील ब्रिज, फिर दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल(नवदुनिया प्रतिनिधि)। रानी कमलापति से एम्स के बीच मेट्रो के प्रायोरिटी कारिडोर का काम अंतिम चरण में है। अब हबीबगंज नाके के पास डीआरएम आफिस से रानी कमलापति के बीच स्टील ब्रिज का निर्माण बाकी है। इसके लिए राजस्थान के अलवर से 626 मीट्रिक टन स्टील के पाट्र्स भोपाल पहुंच गए हैं। अब इनकी असेंबलिंग की जाएगी। इसके बाद इन्हें पिलर पर चढ़ाया जाएगा।

बता दें कि डीआरएम आफिस से आरकेएमपी के बीच दो स्टील ब्रिज बिछाए जाने हैं। इनमें पहला ब्रिज नर्मदापुरम सड़क के ऊपर होगा, जिसका वजन करीब 226 मीट्रिक टन, लंबाई 48 मीटर और चौड़ाई आठ मीटर होगी।

दूसरा ब्रिज आरकेएमपी से हबीबगंज नाके के बीच बनेगा, यह घुमावदार होगा। इसका वजह 400 मीट्रिक टन, लंबाई 65 मीटर और चौड़ाई 15 मीटर होगी। वहीं जमीन से दोनों स्टील ब्रिज की ऊंचाई करीब 14 मीटर रहेगी। अधिकारियों ने बताया कि स्टील ब्रिज के पाट्र्सं आ गए हैं, अब इनकी असेंबलिंग की जाएगी। इसके बाद जनवरी 2024 तक इसे पिलर्स के ऊपर लांच किया जाएगा। इसके लिए पहले रेलवे से ब्लाक भी लेना पड़ेगा।

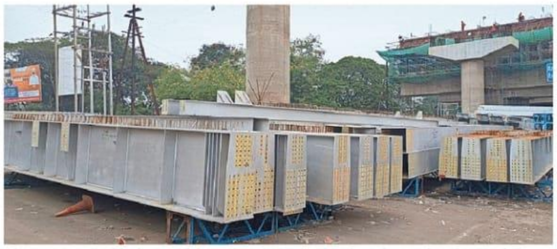

हबीबगंज नाके के पास रखे स्टील ब्रिज के पाट्र्स, जिन्हें रेलवे से ब्लाक मिलने के बाद इनकी असेंबलिंग शुरू की जाएगी। ● नवदुनिया

स्टील ब्रिज बनने से कनेक्ट होंगे आठ मेट्रो स्टेशन : प्रथम चरण में एम्स से सुभाष नगर के बीच सात किमी के प्रायोरिटी कारिडोर में मेट्रो का संचालन किया जाना है। इसके लिए एम्स से हबीबगंज नाके और रानी कमलापति से सुभाष नगर के बीच कारिडोर तैयार है। इनके बीच पांच मेट्रो स्टेशन भी बन चुके हैं, जबकि तीन का निर्माण चल रहा है। आरकेएमपी से हबीबगंज नाके के बीच दो स्टील ब्रिज बनने के बाद आठों स्टेशन कनेक्ट हो जाएंगे, फिर मेट्रो संचालन शुरू होगा।

अधिक गैप होने से पड़ी स्टील ब्रिज की जरुरत : मेट्रो वायडक्ट के एक पिलर से दूसरे की दूरी 30 से 34 मीटर के बीच होती है। लेकिन आरकेएमपी के पास प्लेटफार्म नंबर एक से पांच तक की दूरी 65 मीटर है। इतना लंबा सीमेंट-कांक्रीट का स्लैब नहीं डाला जा सकता है। इसलिए यहां स्टील ब्रिज की आवश्यकता थी। यदि यहां पिलर खड़े कर वायडक्ट का निर्माण किया जाता तो रेलवे से घंटों के लिए ब्लाक लेना पड़ता, जिससे कई ट्रेन प्रभावित होती। वहीं स्टील का ब्रिज बनाने पर यहां दो से चार घंटे के ब्लाक में काम हो जाएगा।

दिल्ली के पंजावी वाग के आकार में वनेगा व्रिज

रेलवे लाइन के ऊपर बनने वाला स्टील ब्रिज घुमावदार होगा। मेट्रो रेल कंपनी ने दिल्ली मेट्रो द्वारा पंजाबी बाग रेलवे क्रासिंग पर बनाए गए ब्रिज की डिजाइन के आधार पर डिजाइन रेलवे को सबमिट की है। साथ ही रेलवे क्रासिंग करने के लिए दस लाख रुपए विभाग में जमा कराए हैं।

“ हबीबगंज नाके से आरकेएमपी के बीच दो स्टील ब्रिज बनाए जाएंगे। इसके लिए अलवर से स्टील के पाट्र्स भोपाल पहुंच गए हैं, जबकि कुछ और पाट्र्स आने बाकी हैं। इनके पहुंचते ही ब्रिज की असेंबलिंग शुरू की जाएगी। रेलवे से जैसे ही ब्लाक मिलेगा, लांचिग वायडक्ट पर कर दी जाएगी।

– मनीष सिंह, एमडी
मप्र मेट्रो कार्पोरेशन

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	राज एक्सप्रेस	भोपाल	07.12.2023	03	अब नए साल मे आ पाएगी राजधानी की दूसरी मेट्रो रेल, इंदौर मे इस महीने	Positive

संभावना

पहली सितंबर में आई थी मेट्रो रेल, गुजरात के वड़ोदरा स्थित सांवली प्लांट में बन रहे हैं कोच

अब नए साल में आ पाएगी राजधानी की दूसरी मेट्रो रेल, इंदौर में इस महीने

● भोपाल/राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी के लिए दूसरी मेट्रो रेल अब नए साल में आने की संभावना है। यह जनवरी में भोपाल पहुंच सकती है। फिर इसकी भी टेस्टिंग और ट्रायल किया जाएगा। हालांकि, इंदौर के लिए दूसरी मेट्रो इस महीने ही आने की बात कही जा रही है। पहली ट्रेन भी इंदौर में राजधानी से पहले पहुंच गई थी। प्रत्येक मेट्रो ट्रेन में तीन कोच होंगे।

इनके निर्माण का जिम्मा फ्रांस की अल्सटॉम इंडिया कंपनी को सौंपा गया है। गुजरात के वड़ोदरा स्थित सांवली प्लांट में कोच बन रहे हैं। कंपनी ने तीन कोच की पहली ट्रेन इंदौर में सितंबर में डिलीवर की थी। इसके कुछ दिन बाद भोपाल की ट्रेन पहुंची थी। ऐसे में इंदौर में सितंबर में ही ट्रायल रन शुरू कर दिया गया था जबकि भोपाल में अक्टूबर के पहले हफ्ते में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरी झंडी दिखा कर चालू किया था। राजधानी के लिए दूसरी रेल नवंबर-दिसंबर के दौरान पहुंचने की संभावना जताई जा रही थी।

दो हजार किमी का ट्रायल रन जरूरी

ट्रायल रन के दौरान मेट्रो ट्रेन को न्यूनतम दो हजार किमी चला कर देखा जाएगा। सुरक्षा व तकनीकी पहलुओ से संतुष्ट होने के बाद कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी इसका निरीक्षण करेंगे। उनकी अनुमति मिलने पर पैसेंजर रन शुरू किया जा सकेगा।

पैसेंजर रन के लिए तीन ट्रेन और आना है

राजधानी मे अभी सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन किया जा रहा है। इसे एम्स तक बढ़ाया जाना है। इसके लिए स्ट्रील का ब्रिज, एलिवेटेड रूट, स्टेशन निर्माण का कार्य चल रहा है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियो ने बताया कि अगले साल जून-जुलाई में एम्स से सुभाष नगर के बीच मेट्रो का पैसेंजर रन शुरू किया जाना है। इसके लिए कम से कम चार ट्रेन की जरूरत होगी। एक आ चुकी है। बाकी कोच का निर्माण तेजी से चल रहा है। पैसेंजर रन के पहले तीन और आएंगी। बताया जा रहा है इन सभी को भी एम्स से सुभाष नगर के बीच चला कर टेस्टिंग की जाएगी। यहां बता दें कि मेट्रो का पहला रूट एम्स से करोंद और दूसरा डिपो चौराहा से रत्नागिरी तिराहा तक होगा। इनकी कुल लंबाई 30 किमी से अधिक होगी। दोनो रूट के लिए कुल 27 ट्रेन की जरूरत का अनुमान कॉर्पोरेशन ने लगाया है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	पीपुल्स समाचार	भोपाल	07.12.2023	03	मेट्रो के लिए अलवर से आया 626 मीट्रिक टन स्टील, असेम्ब्लिंग के बाद होंगे ब्रिज के कार्य	Positive

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय प्रादेशिक खेल व्यापार

भोपाल सिटी Page: 3 December 07, 2023

मेट्रो के लिए अलवर से आया 626 मीट्रिक टन स्टील, असेंबलिंग के बाद होंगे ब्रिज के कार्य

डीआरएम ऑफिस से आरकेएमपी के बीच दो स्टील ब्रिज का होना है निर्माण

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

रानी कमलापति से एम्स के बीच मेट्रो के प्रॉयोरिटी कॉरिडोर का काम अंतिम चरण में है। अब डीआरएम ऑफिस से रानी कमलापति स्टेशन के बीच स्टील ब्रिज बनना है। इसके लिए अलवर, राजस्थान से 626 मीट्रिक टन स्टील के पाट्र्स आ गए हैं। असेंबलिंग के बाद इन्हें पिलर के ऊपर चढ़ाया जाएगा। डीआरएम ऑफिस से आरकेएमपी के बीच दो स्टील ब्रिज बनने हैं। पहला नर्मदापुरम सड़क के

ऊपर होगा, जिसका वजन 226 मीट्रिक टन, लंबाई 48, चौड़ाई आठ मीटर होगी। दूसरा ब्रिज आरकेएमपी से हबीबगंज नाके के बीच बनेगा, यह घुमावदार होगा। इसका वजन 400 मीट्रिक टन, लंबाई 65, और चौड़ाई 15 मीटर होगी। जमीन से दोनों स्टील ब्रिज की ऊंचाई 14 मीटर रहेगी।

स्टील ब्रिज बनने से कनेक्ट होंगे 8 स्टेशनः पहले प्रॉयोरिटी कारिडोर में मेट्रो दौड़ेगी। एम्स से हबीबगंज नाका और आरकेएमपी से सुभाष नगर के बीच कॉरिडोर तैयार है। इनके बीच पांच मेट्रो स्टेशन बन चुके हैं, 3 का काम चल रहा है। दो स्टील ब्रिज बनने के बाद आठों स्टेशन कनेक्ट हो जाएंगे।

" हबीबगंज नाके से आरकेएमपी के बीच दो स्टील ब्रिज बनाए जाएंगे। कुछ स्टील के पाट्र्स भोपाल पहुंच गए हैं। कुछ और पाट्र्स आने बाकी हैं। इनके पहुंचते ही असेंबलिंग शुरू की जाएगी।
मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो कॉर्पोरेशन

Metro News
08.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	नव दुनिया	भोपाल	08.12 .2023	02	एम्स से सुभाष नगर के बीच पाँ तैयार	Positive

एम्स से सुभाष नगर के बीच पांच मेट्रो स्टेशन तैयार

तीन स्टेशनों का काम बाकी ● अप्रैल 2024 से पहले कमर्शियल रन शुरू करने तेजी से चल रहा मेट्रो परियोजना का काम

भोपाल(नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में एम्स से सुभाष नगर के बीच पहले चरण में मेट्रो का संचालन किया जाएगा। ऐसे में अप्रैल 2024 से पहले मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू करने के लिए बचे हुए काम तेजी से किए जा रहे हैं। इसके लिए रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच वायडक्ट का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है, जबकि आरकेएमपी से एम्स के बीच 95 प्रतिशत कारीडोर तैयार हो गया है। वहीं, एम्स से सुभाष नगर के बीच सात किमी के प्रायोरिटी कारीडोर में पांच मेट्रो स्टेशन का निर्माण पूरा हो गया है। अब इनमें फिनिशिंग चल रही है। इसी तरह तीन अन्य स्टेशनों का काम भी चल रहा है।

नए साल में आएगी मेट्रो की अगली खेप : मेट्रो की रैक का निर्माण गुजरात के सावली में किया जा रहा है। मेट्रो के ट्रायन रन के लिए पहली खेप भोपाल आ चुकी है। जबकि नए साल जनवरी 2024 से अगली खेप आना शुरू हो जाएगी। बता दें कि भोपाल के लिए 81 डिब्बों की 27 मेट्रो ट्रेन का निर्माण किया जा रहा है।

मेट्रो के माकअप को देखने पहुंचे एक लाख लोग

मेट्रो के माकअप (माडल) का मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 26 सितंबर को अनावरण किया था। यह हूबहू मेट्रो रेल की बोगी जैसा है। इसे आमजनता को मेट्रो की कार्यप्रणाली समझने के लिए श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट पार्क में रखा गया है। इसे देखने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में शहर के लोग पहुंचकर सेल्फी ले रहे हैं। करीब तीन माह में एक लाख से अधिक लोग इसे देखने पहुंचे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार और रविवार को यहां आने वाले पर्यटकों की संख्या अधिक होती है।

>> रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने निर्माणधीन मेट्रो स्टेशन का काम तेजी गति से चल रहा है। इसमे यात्रियों की सुविधाओं का ध्यान रखा जा रहा है। ● प्रवीण दीक्षित

एम्स से सुभाष नगर के बीच बनने हैं आठ मेट्रो स्टेशन

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन में लिफ्ट, एस्केलेटर व शेड बनाने के साथ अन्य निर्माण कार्य तीन अक्टूबर को मेट्रो के ट्रायन रन से पहले ही पूरा कर लिया गया था।

रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन में दो लिफ्ट और तीन एस्केलेटर लगाए जा चुके हैं। अब इसमें शेड डालने का काम अंतिम चरण में है।

बोर्ड आफिस चौराहा स्टेशन में लिफ्ट और एस्केलेटर लगाए जा रहे हैं। इसके बाद यहां शेड डालने का काम शुरू होगा। फिर अन्य फिनिशिंग का कार्य किया जाएगा।

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन बनकर तैयार।

केंद्रीय विद्यालय व एमपी नगर में सरगम टाकीज के पास मेट्रो स्टेशन में लिफ्ट-एस्केलेटर लग गए हैं, इसमें भी शेड बनाया जा रहा है।

एम्स, अलकापुरी व डीआरएम आफिस के पास तीन स्टेशनों का निर्माण अंतिम चरण में है, फिर लिफ्ट, एस्केलेटर लगाए जाएंगे।

सुभाषनगर से आरकेएमपी के बीच चल रही टेस्टिंग

तीन अक्टूबर को मेट्रो का ट्रायन रन किया गया था। अब इसकी रुटीन टेस्टिंग आरकेएमपी से सुभाष नगर डिपो के बीच की जा रही है। इसमें अधिकारी मेट्रो के पार्ट्स और उसके कम्यूनिकेशन को समझ रहे हैं। अब इसका वेलिडेशन कर देखा जाएगा कि मेट्रो व ट्रैक में कोई कमी तो नहीं है। इसके बाद जनवरी 2024 में मेट्रो रेल सुरक्षा आयुक्त इस मार्ग की संरक्षा को परखेंगे। उनके संतुष्ट होने के बाद ही प्रायोरिटी कारीडोर पर मेट्रो के कामर्शियल रन की अनुमति अधिकारियों की ओर से दी जाएगी।

प्लेटफार्म पर जाने का रास्ता...

>> रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन पर यात्री सीढ़ियों से चढ़कर निर्माणाधीन प्लेटफार्म पर पहुंचेंगे। इसके तैयार होने में अभी कुछ समय लग सकता है।

मेट्रो स्टेशन पर लिफ्ट की सुविधा भी...

>> रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन में यात्रियों की सुविधा के लिए लिफ्ट लगा दी गई है। अभी इसकी टेस्टिंग चल रही है।

आवाजाही के लिए सीढ़ियां...

>> रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने निर्माणधीन मेट्रो स्टेशन में जाने के लिए सीढ़ियां तैयार करने का काम किया जा रहा है। ● नवदुनिया

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	दैनिक भास्कर	भोपाल	08.12.2023	07	मेट्रो के हर स्टेशन मे दो एंट्री, डीबी माल व सुभाष नगर पर काम शुरू	Positive

भोपाल 08-12-2023

हबीबगंज क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज की असेंबलिंग की भी तैयारी

मेट्रो के हर स्टेशन में दो एंट्री, डीबी मॉल व सुभाष नगर पर काम शुरू

यार्ड में खड़ी मेट्रो।

भोपाल। राजधानी में मेट्रो के हर स्टेशन में अब दो एंट्री होंगी। पहले सभी जगह एक ही एंट्री बनाई जा रही थी। डीबी मॉल और सुभाष नगर स्टेशनों पर इसका काम शुरू हो गया है। हबीबगंज रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज का मटेरियल आ गया है और जल्द ही इसकी असेंबलिंग शुरू होगी।

भोपाल मेट्रो के लिए 3 अक्टूबर को ट्रायल हुआ था। फिलहाल सीएम डैश बोर्ड पर मेट्रो प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस रिपोर्ट भी अपडेट कर दी गई है। मेट्रो रेल कंपनी के अनुसार चुनाव आचार संहिता के कारण मेट्रो प्रोजेक्ट में कोई रुकावट नहीं आई क्योंकि यह पहले से स्वीकृत है।

एम्स से आ रही मेट्रो को आरकेएमपी से जोड़ने में रेलवे क्रॉसिंग ही सबसे बड़ी बाधा थी। पूर्व में मेट्रो रेल कंपनी ने यहां परंपरागत कांक्रीट ब्रिज की प्लानिंग की थी। लेकिन रेलवे ने अनुमति नहीं दी, उसके बाद स्टील ब्रिज की प्लानिंग की गई। इसमें हुई देरी के कारण ही सुभाष नगर से एम्स तक के प्रायोरिटी रूट पर ट्रायल की प्लानिंग को घटाकर सुभाष नगर से आरकेएमपी तक कर दिया गया था।

दो स्टील ब्रिज होंगे

रेलवे क्रॉसिंग के इस एरिया में दो स्टील ब्रिज होंगे। पहला 63 मीटर लंबा और 15 मीटर चौड़ा ब्रिज रेलवे ट्रैक पर होगा। इसके बाद 20 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा कांक्रीट ब्रिज होगा। इसके आगे 48 मीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा स्टील ब्रिज डीआरएम ऑफिस के पास सड़क को क्रास करेगा। रेलवे और ट्रैफिक सहित अन्य एजेंसियों से को-ऑर्डिनेशन के बाद इन ब्रिज को असेंबल करेंगे। रेलवे से ब्लॉक की अनुमति मिलने के बाद ही यह काम शुरू हो पाएगा। स्टड फार्म पर मेट्रो के डिपो में इंस्पेक्शन बे का काम अंतिम चरण में है। इन दिनों मेट्रो इसी इंस्पेक्शन बे में खड़ी नजर आती है।

समय सीमा में पूरा करेंगे

पिछले दो महीनों में हमारा फोकस स्टेशन तैयार करने पर था। अब हर स्टेशन पर दो एंट्री बना रहे हैं। प्रोजेक्ट समय सीमा में पूरा करने का टारगेट लेकर काम कर रहे हैं।

– मनीष सिंह, एमडी, मेट्रो रेल कार्पोरेशन

Metro News
12.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	हरि भूमि	भोपाल	12 .12.2023	03	अगले माह आएं -इंदौर के लिए एक-एक ओर मेट्रो ट्रेन	Neutral

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 12 दिसंबर 2023

ऐलान होते ही समर्थक पहुंचे मनोनीत सीएम यादव के बंगले पर, आतिशबाजी कर मनाया जश्न

बड़ोदरा में रवाना होने से पहले चल रही जांच

अगले माह आएंगी भोपाल-इंदौर के लिए एक-एक और मेट्रो ट्रेन

दोनों शहर के लिए 3-3 कोच की 1-1 मेट्रो ट्रेन इस साल ट्रायल के लिए आ चुकी हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल और इंदौर के लिए एक-एक और मेट्रो ट्रेन अगले माह जनवरी में आ जाएंगी। यह ट्रेन अप्रैल या मई माह में ट्रैक पर दौड़ने लगेंगी। यह मेट्रो ट्रेन सांवली बड़ोदरा गुजरात में तैयार हो चुकी हैं और रवाना होने से पहले की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद उम्मीद है कि 26 जनवरी के पहले ही दोनों ट्रेन भोपाल व इंदौर पहुंच जाएंगी। 3-3 कोच की यह ट्रेन आने के बाद पब्लिक के लिए उपलब्ध होंगी। जबकि दो ट्रेन, इस साल के सितंबर माह में ट्रायल के लिए आ चुकी हैं।

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार नई ट्रेन आने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। मई जून में मेट्रो को आम लोगों के लिए चलाने का लक्ष्य है। इसलिए मेट्रो के बाकी बचे कामों पर फोकस किया जा रहा है। 3 कोच की एक-एक ट्रेन होंगी, इंदौर व भोपाल के लिए है। ट्रैक का ट्रायल पहले से ही चल रहा है, जिसके लिए इस साल अगस्त व सितंबर माह में एक एक ट्रेन आ चुकी है। करीब 850 किमी की दूरी तय करके यह कोच लगातार आते रहेंगे।

ऑरेंज लाइन में हो चुका ट्रायल रन

मेट्रो कंपनी अधिकारियों के अनुसार 3 अक्टूबर को भोपाल में ट्रायल रन किया गया था। 6.22 किलोमीटर की ऑरेंज लाइन में आने वाले 8 स्टेशनों में से पांच स्टेशन सुभाषनगर, केंद्रीय स्कूल, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर और रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन हुआ था। इसके बाद से ही ट्रेन को ट्रैक पर दौड़ाया जा रहा है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	Free Press	Bhopal	12 .12.2023	05	RVNL bags Rs. 543 Cr project for Indore Metro works	Neutral

MONEY

BHOPAL | TUESDAY | DECEMBER 12, 2023 www.freepressjournal.in

RVNL bags ₹543 cr project for Indore Metro works

State-owned Rail Vikas Nigam Ltd (RVNL) on Monday said that it has bagged a Rs 543 crore order from Madhya Pradesh Metro Rail Corporation. The project entails construction of elevated stations for the Indore Metro Rail Project. "RVNL-URC JV emerges as the lowest bidder (L1) for part design and construction of elevated viaduct, five elevated metro rail stations...for Indore Metro Rail Project," the PSU said in a filing to BSE.

Metro News
17.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	दैनिक भास्कर	भोपाल	17.12.2023	05	आचार सं तेजी	Neutral

बोर्ड ऑफिस पर एंट्री एग्जिट प्वाइंट और केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर शुरू हुआ पीईबी स्ट्रक्चर का काम

आचार संहिता खत्म होते ही मेट्रो के काम में तेजी

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। भोपाल मेट्रो के पहले चरण के अंतर्गत ऑरेंज लाइन पर सुभाष नगर से एम्स तक के रूट पर काम किया जा रहा है। यहां करीब 80 फीसदी काम हो गया है। आचार संहिता खत्म होने के बाद काम ने दोबारा रफ्तार पकड़ी है। अभी अप्रैल तक इस रूट को पूरी तरह से कम्प्लीट करने का लक्ष्य है। यहां डीआरएम कार्यालय के पास सभी पीयर का काम पूरा किया जा चुका है। वहीं बोर्ड ऑफिस पर एंट्री एग्जिट प्वाइंट और केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर पीईबी स्ट्रक्चर का काम शुरू हो चुका है। इसके साथ ही अब दूसरे चरण में भदभदा से करोंद तक के रूट को भी क्लीयर करने पर फोकस किया जा रहा है। बता दें कि भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन अंतर्गत करोंद से एम्स तक 16.8 किमी का रूट तैयार किया जा रहा है। इसमें भी प्रथम चरण में सुभाष नगर से एम्स तक 6.5 किमी का काम 80 फीसदी तक हो चुका है। लेकिन शेष रूट पर पुल बोगदा से करोंद तक काम अभी धीमी गति से चल रहा है।

सुभाषनगर से एम्स तक अभी यह चल रहा काम...

केंद्रीय विद्यालय स्टेशन पर पीईबी स्ट्रक्रर का काम शुरू हो चुका है।

बोर्ड ऑफीस स्टेशन पर एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पर काम शुरु किया गया है।

डीआरएम कार्यालय स्टेशन पर पीयर आर्म का काम तेजी से चल रहा है।

एम्स में गर्डर निर्माण का काम शुरू किया जा चुका है।

ऑरेंज लाइन के स्टेशन

प्रथम चरण के रूट में

- सुभाष नगर
- केंद्रीय विद्यालय
- बोर्ड ऑफिस चौराहा
- एमपी नगर
- रानी कमलापति स्टेशन
- डीआरएम ऑफिस
- अल्कापुरी
- एम्स

दूसरे चरण के रूट में

- पुल बोगदा
- एशबाग
- भोपाल स्टेशन
- नादरा बस स्टैंड
- सिंधी कॉलोनी
- डीआईजी बंगला
- कृषि उपज मंडी
- करौंद चौराहा

892 करोड़ से अंडरग्राउंड बनेगा 3.39 किमी का हिस्सा

भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन में करोंद से पुल बोगदा तक 10.3 किमी में से सिंधी कॉलोनी से ऐशबाग रेलवे क्रॉसिंग तक 3.39 किमी का हिस्सा अंडरग्राउंड है। इस हिस्से में दो मेट्रो स्टेशन हैं। एक भोपाल रेलवे स्टेशन और दूसरा नादरा बस स्टैंड। इसके लिए मई 2023 में टेंडर बुलाए गए थे और इसकी लागत 892 करोड़ रुपए है। यह काम साढ़े तीन साल में पूरा होने की उम्मीद है। मेट्रो की दोनों लाइन का यह अकेला अंडरग्राउंड हिस्सा है। टेक्निकल बिड के परीक्षण के बाद फाइनेंशियल बिड जल्द खुलने की उम्मीद है।

मेट्रो की पार्किंग के लिए यह है प्लान

सुभाष नगर में 3.89 एकड़ रेलवे की जमीन है, यहां झुग्गियां बनी हैं, इन्हें हटाकर यहां मेट्रो स्टेशन के साथ पार्किंग भी बनाई जा रही है। सुभाष नगर से पुल बोगदा तक 2.1 एकड़ एरिया में रेलवे की जमीन है। सुभाष नगर से पुल बोगदा तक 0.48 एकड़ जमीन ग्लू फैक्टरी का बाउंड्री है। पुल बोगदा 1.49 एकड़ ग्लू फैक्टरी की जमीन है। यहां पार्किंग बनाई जाएगी।

आरा मशीनों को रातीबड़ किया जाएगा शिफ्ट

ऑरेंज लाइन में पुल बोगदा से करोंद तक 10.3 किमी पर भारत टॉकीज की ओर सालों से जमी एक दर्जन से अधिक आरा मशीनें आ रही है। आरा मशीन शिफ्टिंग की कवायद कई बार हुई, लेकिन किसी न किसी कारण से यह हो नहीं पाया। जिससे मेट्रो का काम प्रभावित हुआ। हालांकि अब अब शासन को परवलिया सडक स्थित रातीबड़ में जगह मिल गई है। यहां 45 एकड़ जमीन का शासकीय रकबा आरा मशीन के लिए चिह्नित किया गया है। जिसे जिला प्रशासन ने उद्योग केन्द्र को सौंप दिया है। अब उद्योग केंद्र इस क्षेत्र को विकसित करेगा। जिसके बाद आरा मशीनों को शिफ्ट किया जाएगा।

ऑरेंज के बाद ब्लू लाइन पर होगा फोकस

ऑरेंज के बाद ब्लू लाइन पर फोकस किया जाएगा। भोपाल मेट्रो की ब्लू लाइन भदभदा चौराहे से रत्नागिरी तिराहा तक जाती है। इस लाइन पर 13 मेट्रो स्टेशन भदभदा चौराहे, डिपो चौराहा, जवाहर चौक, रोशनपुरा चौराहा, कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, परेड ग्राउंड, प्रभात चौराहा, गोविंदपुरा, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जेके रोड, इंद्रपुरी, पिपलानी और रत्नागिरी तिराहे होंगे।

इन लाइन की मेट्रो भी हैं प्रस्तावित

राजधानी भोपाल में फिलहाल पहले चरण का काम जारी है। इसके तहत लाइन 2 और 5 निर्माणाधीन है। ये है ब्लू और ऑरेंज लाइन हैं। प्राथमिकता के आधार पर यहां काम चल रहा है। वहीं भविष्य में भोपाल में 3 और मेट्रो ट्रेन प्रस्तावित हैं, जो ग्रीन, ब्राउन और येलो लाइन पर दौड़ेगी। अभी मेट्रो कॉर्पोरेशन का फोकस ऑरेंज लाइन उसमें भी प्रथम चरण के काम सुभाष नगर से एम्स तक के रूट पर फोकस है, ताकि यहां अप्रैल 2024 के अंत तक मेट्रो का संचालन शुरू हो सके।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	नव दुनिया	भोपाल	17.12.2023	II	आरा मिल की शिफ्टिंग के बाद शुरू होगा मेट्रो के लिए भूमिगत टनल का निर्माण	Neutral

आरा मिल की शिफ्टिंग के बाद शुरू होगा मेट्रो के लिए भूमिगत टनल का निर्माण

- नादरा बस स्टैंड व भोपाल स्टेशन से सीधे मेट्रो स्टेशन पहुंच सकेंगे
- टनल बनाने सिंधी कालोनी तक 20 मीटर नीचे तक होगी खोदाई

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो परियोजना के प्रथम चरण में एम्स से करोंद तक 16.8 किलोमीटर लंबे आरेंज मार्ग का निर्माण होगा। इसमें करीब 14 किलोमीटर का मार्ग एलिवेटेड होगा, जबकि आरा मशीन के पास से सिंधी कालोनी तक का मार्ग भूमिगत रहेगा। इसके लिए जमीन से 20 मीटर नीचे दो किलोमीटर तक टनल बनाई जाएगी। भूमिगत मार्ग में भोपाल रेलवे स्टेशन और नादरा बस स्टैंड के पास दो मेट्रो स्टेशन बनेंगे। इनको इस प्रकार से तैयार किया जाएगा कि बिना परिसर से बाहर निकले यात्री मेट्रो स्टेशन से सीधे रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड में प्रवेश कर सकेंगे। इसके लिए मेट्रो स्टेशन के आगमन और निर्गम द्वार पर एस्केलेटर भी लगाए जाएंगे। इससे यात्री लगेज के साथ आसानी से स्टेशन बदल सकेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि भूमिगत मेट्रो ट्रैक तैयार करने के लिए ट्विन टनल बोरिंग मशीन का उपयोग किया जाएगा। यह मशीन जमीन में 20 फीट गहराई पर सुरंग बनाती जाएगी और सीमेंट कंक्रीट के सेगमेंट डालती जाएगी। अधिकारियों का दावा है कि सुरंग खोदने के दौरान धरातल पर मौजूद इमारतों में रहने वाले लोगों को निर्माण कार्य चलने का एहसास भी नहीं होगा। इसी तकनीक से पुणे, मुंबई, दिल्ली व कोलकाता में टनल बनाई गई है।

आग लगने पर नहीं होगा अधिक नुकसान: सुरंग में यदि मेट्रो ट्रेन में आग लग जाती है तो यात्रियों को दम घुटने से बचाने के उपाय किए जाएंगे। सुरंग में वेंटीलेशन की सुविधा होगी। कमरे के आकार के पंखे लगाए जाएंगे। हर स्टेशन पर ऐसे दो पंखे होंगे। ये पंखे धुंआ बाहर निकाले के अलावा हवा अंदर भी फेंक सकेंगे। इसके साथ ही यात्रियों को आग से बचाने के लिए अन्य इंतजाम भी किए जाएंगे।

900 मीटर कर्व की टनल बनाई जाएगी। सबसे बड़ी टनल सिंधी कालोनी के पास बनेगी। एलिवेटेड रूट से अंडरग्राउंड स्टेशन में प्रवेश को 35 डिग्री से मेट्रो का प्रवेश होगा।

रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास बन रहा मेट्रो स्टेशन। • नवदुनिया फाइल फोटो

> भूमिगत मेट्रो के लिए सिविल वर्क पातरा पुल से सिंधी कालोनी तक होगा। इसका परीक्षण कर लिया गया है। भूमिगत मेट्रो की वजह से ऊपर बने निर्माणों पर कोई असर नहीं होगा। इसे ब्रिम टेक्निक के जरिए बनाया जाएगा।
>
> – मनीष सिंह, एमडी, मप्र मेट्रो कार्पोरेशन

अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए 920 करोड़ के टेंडर जारी

पहला टेंडर: 28 करोड़ 71 लाख रुपये से डिजाइन तैयार की जाएगी। इसमें अंडरग्राउंड स्टेशन, रैंप, कंटूर, टर्निंग वर्क, एलिवेटेड वायाडक्ट की डिजाइन तैयार की जाएगी।

दूसरा टेंडर: 892 करोड़ रुपये से अंडरग्राउंड मेट्रो के निर्माण का काम होगा। इसमें मेट्रो रूट के कट एंड कवर (जमीन के अंदर और नीचे), क्रॉसिंग, चैनल, अंडरग्राउंड सेक्शन, स्टेशन, वाटर सप्लाई सिस्टम, ड्रेनेज, रैंप, एयर सिस्टम से संबंधित सभी निर्माण होंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से होगी स्टेशनों की निगरानी

मेट्रो ट्रेन के कोच और स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की भी मदद ली जाएगी। इसकी मदद से अपराधियों का डाटा तैयार किया जाएगा, जिसमें अपराधियों और गुमशुदा बच्चों के फोटो अपलोड किए जाएंगे। अपराधी जैसे ही कैमरे के संपर्क में आएगा, अलार्म बजना शुरू हो जाएगा। सिस्टम को मेट्रो के सेंट्रल सर्वर से जोड़ा जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	हरि भूमि	भोपाल	17.12.2023	03	मेट्रो स्टेशन का निरीक्षण करेगी सीएमआरएस टीम	Neutral

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 17 दिसंबर 2023

मेट्रो स्टेशनों का निरीक्षण करेगी सीएमआरएस टीम

सुभाष नगर से एम्स तक 5 स्टेशन तैयार

- 3 मेट्रो स्टेशन का काम अंतिम चरणों में
- मेट्रो कंपनी काम पूरा होने के बाद सीएमआरएस को भेजगी सूचना
- सीएमआरएस टीम का प्रमाण पत्र मिलने के बाद शुरू होगा कमर्शियल रन

हरिभूमि न्यूज ›› भोपाल

भोपाल मेट्रो के स्ट्रक्चर के काम काफी तेजी से चल रहे हैं। सुभाष नगर से एम्स तक 5 स्टेशन काम पूरा हो गया, जबकि डीआरएमए अलकापुरी और एम्स मेट्रो स्टेशन के काम अंतिम चरण में चल रहा है। जबकि तीन स्टेशन का काम पूरा होते ही रेलवे की सीएमआरएस टीम को मध्य प्रदेश मेट्रो कंपनी पत्र भेजेगी। इसके बाद सीएमआरएस टीम निरीक्षण करने के बाद कंपनी को सुरक्षा का प्रमाण पत्र सौंपेगी।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, बोर्ड ऑफिस, एमपी नगर और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का इंटीरीयर वर्क पूरा हो चुका है। जबकि डीआरएम , अलकापुरी और एम्स के मेट्रो स्टेशन का काम अंतिम चरण में चल रहा है।

स्टील ब्रिज को जोड़ने का काम शुरू

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग पर वायडक्ट की जगह स्टील ब्रिज बनाया जा रहा है, जिस पर मेट्रो का ट्रैक बिछेगा। इस ब्रिज के पार्ट्स को जोड़ने का काम भी लगभग पूरा हो गया है, जबकि दूसरा स्टील ब्रिज रेलवे क्रासिंग से डीआरएम ऑफिस तक बनेगा। इसके पार्टस भी बनना शुरू हो गया है। रेलवे की हरी झंडी मिलते ही रेलवे ट्रैक के ऊपर क्रेन से ब्रिज को फिट कर दिया जाएगा।

रानी कमलापति तक ट्रायल हो चुका

सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पिछले दो माह से मेट्रो का ट्रायल रन चल रहा है। ट्रायल रन करीब 2000 किमी का करना था, जो लगभग पूरा होने को आ गया है। जबकि तीन कोच की एक और मेट्रो जल्द भोपाल पहुंचने वाली है। सभी काम 4 से 5 महीने में पूरे होंगे, जिसके बाद पब्लिक रन शुरू होने की उम्मीद है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	राज एक्स्प्रेस	भोपाल	17.12.2023	03	तीन मेट्रो स्टेशन पर बन रही छत	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3 महानगर
सूर्यास्त (रविवार): 05:38 सूर्योदय (सोमवार): 06:55
तापमान अधिकतम 27.9° न्यूनतम 11.9°
भोपाल
रविवार, 17 दिसंबर 2023

तीन मेट्रो स्टेशन पर बन रही छत

भोपाल। भोज मेट्रो के एम्स से सुभाष नगर रूट का काम तेजी से चल रहा है। अभी स्टेशन तैयार करने पर फोकस किया जा रहा है। बोर्ड ऑफिस, सेंट्रल स्कूल और एमपी नगर स्टेशनों पर प्री इंजीनियर्ड बिल्डिंग यानि छत डालने का कार्य हो रहा है। एंट्री और एग्जिट भी बनाए जा रहे हैं।मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने प्रायोरिटी कॉरीडोर सुभाष नगर से एम्स के बीच आठ मेट्रो स्टेशन बनाने का जिम्मा यूआरसी कंस्ट्रक्शन को सौंपा है। इस रूट पर मेट्रो का पैसेंजर रन अगले साल जून-जुलाई में शुरू किया जाना है। ऐसे में इसके पहले सभी आठ स्टेशन तैयार करना होंगे। मौजूदा स्थिति में एम्स, डीआरएम ऑफिस और साकेत नगर स्टेशन के स्ट्रक्चर तैयार किए जा रहे हैं। इधर, सुभाष नगर डिपो में 132 केवी का रिसीविंग सब स्टेशन स्थापित कर दिया गया है। इससे मेट्रो के संचालन व अन्य उपकरणों के लिए बिजली की सप्लाई निर्बाध रूप से होती रहेगी।

19 December
2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Raj express	Bhopal	19.12.2023	03	जल्द ही एक साथ दो ट्रैक पर दौड़ेगी मेट्रो ट्रेन, दूसरा भी लगभग तै	Neutral

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3 महानगर
सूर्यास्त (मंगलवार): 05:38 सूर्योदय (बुधवार): 06:56
तापमान अधिकतम 24.1° न्यूनतम 9.9°
भोपाल
मंगलवार, 19 दिसंबर 2023

प्रोजक्ट रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच अप लाइन का 180 मीटर बाकी

जल्द ही एक साथ दो ट्रेक पर दौड़ेंगी मेट्रो ट्रेन, दूसरा भी लगभग तैयार

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी में रानी कमलापति स्टेशन से सुभाष नगर के बीच जल्द ही एक साथ दो ट्रेक पर मेट्रो ट्रेन दौड़ सकेंगी। इसके लिए अप लाइन पर पटरियां बिछाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। अब करीब 180 मीटर पटरी और बिछना है। केंद्रीय विद्यालय से बोर्ड ऑफिस चौराहा के बीच यह कार्य चल रहा है। मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सितंबर में ट्रायल रन का टारगेट हासिल करने के लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक रेलवे ट्रेक बिछाया था। इस पर अब भी ट्रायल रन किया जा रहा है। इस दौरान रानी कमलापति से सुभाष नगर की ओर ट्रेक तैयार करने का कार्य चलता रहा। मौजूदा स्थिति में इस करीब सवा चार किमी लंबे रूट के अधिकांश हिस्से में पटरी बिछ चुकी हैं।

2700 मीट्रिक टन पटरी मिल चुकी: कॉर्पोरेशन ने पटरियों के निर्माण का जिम्मा जिंदल स्टील को सौंपा है। कंपनी के रायगढ़, छत्तीसगढ़ स्थित प्लांट में ट्रेक बन रहा है। अब तक 2700 मीट्रिक टन पटरी कंपनी सप्लाई कर चुकी है। इसे बिछाने की जिम्मेदारी एलएंडटी संभाल रही है।

स्टील ब्रिज के लिए परमिशन का इंतजार

रानी कमलापति स्टेशन को डीआरएम ऑफिस स्टेशन से जोड़ने के लिए स्टील के रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण किया जाना है। इसका ही एक्सटेंशन सड़क के ऊपर भी बनेगा। राजस्थान के अलवर से यह ब्रिज तैयार होकर पिछले महीने भोपाल पहुंच चुका है। इसे असेंबल कर रेल पटरी के ऊपर खड़ा करने के लिए ब्लॉक लेना होगा। इसके लिए रेलवे की परमिशन की जरूरत होगी। बताया जा रहा है मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। रेलवे से तारीख मिलते ही स्टील आरओबी खड़ा कर दिया जाएगा। स्टील ब्रिज की अहमियत इस बात से समझी जा सकती है कि यह तैयार हुए बगैर रानी कमलापति स्टेशन से डीआरएम ऑफिस स्टेशन नही जुड़ पाएगा। ऐसे में एम्स तक मेट्रो नही ले जाई जा सकेगी और अगले साल जून-जुलाई में मेट्रो के पैसेंजर रन का लक्ष्य हासिल नही हो सकेगा।

ऐसा रहा मेट्रो का अब तक का सफर

- 2018 के आखिर में दिलीप बिल्डकॉन को एम्स से सुभाष नगर एलिवेटेड रूट निर्माण का जिम्मा सौंपा गया।
- मार्च, 2022 में डिपो के निर्माण का कार्य केईसी इंटरनेशनल व सैम इंडिया के संयुक्त उपक्रम को सौंपा गया, सुभाष नगर में 26 हेक्टेयर भूमि पर इसका कार्य चल रहा है, डिपो निर्माण पर 338.1 करोड़ रुपए खर्च होगा।
- गुजरात के सांवली स्थित प्लांट में इस साल 13 मार्च को कोच निर्माण शुरू हुआ, अल्सटॉम इंडिया लिमिटेड यह कार्य कर रही है, महज छह महीने यानि 18 सितंबर को तीन कोच की पहली ट्रेन सुभाष नगर स्थित डिपो में अनलोड हो गई।
- तीन अक्टूबर को ट्रायल रन की शुरुआत।
- 516 करोड़ रुपए की लागत से बिजली रिसीविंग सब स्टेशन, आरएसएस, ट्रेक्शन सब स्टेशन, टीएसएस, 750 वीडीसी कमीशनिंग व स्काडा सिस्टम के कार्य चल रहे।

20 December 2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Free press	Bhopal	20.12.2023	07	Indore Metro: Three firms submit bids for ISA contract	Neutral

MADHYA PRADESH

Pg-07

BHOPAL | WEDNESDAY | DECEMBER 20, 2023 www.freepressjournal.in

INDORE METRO: Three firms submit bids for ISA contract

Indore: Three prominent firms have submitted bids for the Independent Safety Assessor (ISA) contract of Metro. The Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) initiated the bidding process and the technical evaluation is currently underway, officials said on Tuesday.

The ISA, once appointed by MPMRCL, will play a crucial role in conducting an independent safety assessment and audit of signalling & train control system, transport and its interfaces with rolling stock.

Additionally, the assessment will cover the Platform Screen Door system at underground stations and other essential systems, including track, 750 V third rail traction and automatic fare collection. The firms competing for the contract are Bureau Veritas (India) Pvt Ltd, TUV INDIA Pvt Ltd and TUV SUD South Asia Pvt Ltd.

22.12.2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Patrika	Bhopal	22.12.2023	04	6.22 किमी से आगे करोंद की तरफ बढ़ रही मेट्रो लाइन	Positive

BHOPAL PRIME
भोपाल प्राइम

पत्रिका
भोपाल, शुक्रवार 22 दिसंबर 2023

6.22 किमी से आगे करोंद की तरफ बढ़ रही मेट्रो लाइन

पुल बोगदा के जंक्शन पर मिलेंगी रेड और पर्पल लाइनें

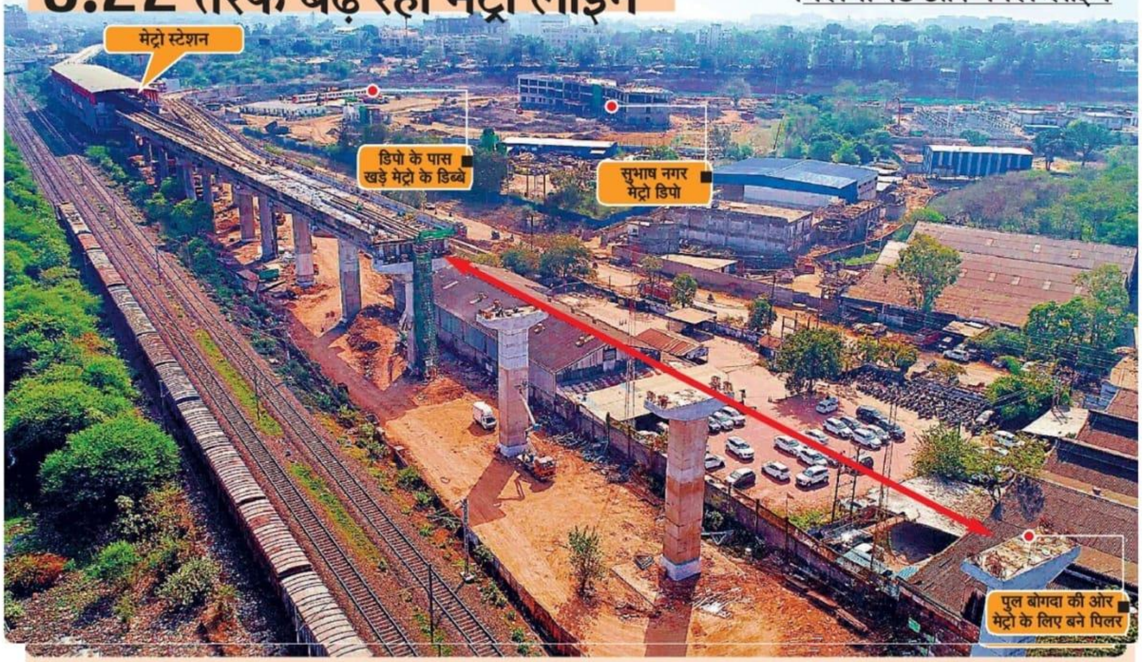

- ऐशबाग क्रॉसिंग से अंडरग्राउंड जाएगा मेट्रो का रूट, करीब चार किमी में भोपाल स्टेशन, नादरा बस स्टैंड होंगे अंडरग्राउंड।
- सिंधी कॉलोनी पर ऊपर आएगी मेट्रो, इसकेआगे डीआइजी बंगला, कृषि उपज मंडी और करोंद सर्कल के स्टेशन बनेंगे।
- कुल 16.80 किमी का है पहला रूट, पुल बोगदा से आगे के रूट के लिए शिफ्ट होंगी आरा मशीनें, तेजी से चल रहा काम।

भोपाल. एम्स से सुभाष नगर के 6.22 किमी रूट से आगे के सफर पर मेट्रो का काम शुरू हो गया है। सुभाष नगर स्टेशन से आगे पुल बोगदा पर मेट्रो का जंक्शन बनेगा जहां रेड और पर्पल लाइनें आकर मिलेंगी। ये मेट्रो का बड़ा स्टेशन होगा जहां दोनों तरफ पार्किंग की सुविधा रहेगी। इससे आगे मेट्रो का एक और स्टेशन ऐशबाग क्रॉसिंग रहेगा।

पुल पातरा से अंडर ग्राउंड हो जाएगा मेट्रो का रूट

ऐशबाग से आगे पुल पातरा से मेट्रो का रूट अंडर ग्राउंड हो जाएगा। इसमें पहला स्टेशन भोपाल के प्लेटफॉर्म नंबर छह की तरफ स्टेशन के सामने बनेगा। इसके लिए ईरानी डेरे की जमीन खाली कराई थी, यहां अब फिर से कब्जा हो गया है। अगला अंडरग्राउंड स्टेशन नादरा बस स्टैंड है। ये दो स्टेशन अंडरग्राउंड हैं। सिंधी कॉलोनी से ऊपर आएगी मेट्रो सिंधी कॉलोनी से एक बार फिर मेट्रो ऊपर आएगी और यहां से डीआइजी बंगला, कृषि उपज मंडी और लास्ट स्टेशन करोद होगा।

23 December2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	HariBhomi	Bhopal	23.12.2023	03	मेट्रो का सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक डाउन ट्रैक पूरा होने के बाद अब अप ट्रैक का काम भी पूरा	Positive

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शनिवार 23 दिसंबर 2023

जनवरी के पहले हफ्ते में दोनों स्टील ब्रिज भी क्रॉसिंग पर लग जाएंगे

मेट्रो का सुभाष नगर से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन तक डाउन ट्रैक पूरा होने के बाद अब अप ट्रैक का काम भी पूरा

ब्रिज ऊपर लगने से पहले अस्थाई गर्डर पर रखे जाएंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मेट्रो के बहुप्रचारित प्राथमिकता कॉरिडोर ट्रायल रन के लगभग दो महीने बाद, जिसे चुनावों से पहले बुनियादी ढांचा परियोजना के लिए एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा गया था, अब प्रगति पर है। वहीं सुभाष नगर से रानी कमलापति तक ट्रैक डाउनलाइन पहले ही पूरा हो चुका और अप ट्रैक भी पूरा होने को है। रानी कमलापति से केंद्रीय विद्यालय तक ट्रैक पूरा हो चुका है, जबकि केंद्रीय विद्यालय से सुभाष नगर तक का ट्रैक बिछाने का काम एलएंडटी कंपनी कर रही है।

जून 2024 तक यात्री सफर कर सकेंगे

मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड अधिकारियों के अनुसार स्टील गर्डर्स और अन्य सहायक संरचनाएं अब जगह पर हैं। इसके अलावा जून 2024 में यात्री यात्रा निर्धारित होने के साथ स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली और अन्य संबंधित बुनियादी ढांचे भी आकार ले रहे हैं।

गर्डर लांच इसी माह

हबीबगंज रेलवे क्रासिंग के ऊपर और उसके बगल में ही आरओबी का गर्डर लॉन्च इस माह के अंत तक हो जाएगा। इसके ऊपर ही स्टील ब्रिज रखा जाना है। साथ ही एम्स से जुड़ने वाला एलिवेटेड सेक्शन मेट्रो ट्रैक बिछाने के बाद पूरा हो जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	Raj Express	Bhopal	26.12.2023	03	मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए जमीन, मकान के अधिग्रहण पर मिलेगा अब मार्केट वैल्यू का दोगुना तक पैसा	Positive

www.rajexpress.co
राज एक्सप्रेस
3 महानगर
सूर्यास्त (मंगलवार): 05:42 सूर्योदय (बुधवार): 06:49
तापमान अधिकतम 29.3° न्यूनतम 12.5°
भोपाल मंगलवार, 26 दिसंबर 2023

200 फीसदी मूल्य के टीडीआर का विकल्प भी रहेगा, एकमुश्त राशि अलग से मिलेगी

मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए जमीन, मकान के अधिग्रहण पर मिलेगा अब मार्केट वैल्यू का दोगुना तक पैसा

भोपाल ■ राज न्यूज नेटवर्क

राजधानी में मेट्रो रूट निर्माण की जद में आ रही संपत्तियों जैसे भूमि, मकान या अन्य तरह के निर्माण का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके एवज में संबंधित मालिक को दोहरा फायदा मिलेगा। उसकी प्रॉपर्टी की बाजार दर से कीमत दी जाएगी। साथ ही इतनी ही राशि सॉलेटियम के तौर पर और मिलेगी। हालांकि, सॉलेटियम में नगद राशि न दिए जाने की स्थिति में 200 फीसदी मूल्य के ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स दिए जाएंगे। इसके अलावा एकमुश्त राशि भी मिलेगी। शिफ्टिंग के लिए भी पैसा दिया जाएगा।

खास बात यह है कि केंद्र व राज्य और मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के मुताबिक मप्र सरकार भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन की पूरी लागत उठाएगी। मेट्रो के एलाइनमेंट में चिन्हांकित संपत्तियों का अधिग्रहण, अतिक्रमण और कब्जे से मुक्त कर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को हैंड ओवर करेगी। साथ ही राज्य शासन यह सुनिश्चित करेगा कि भूमि अधिग्रहण परियोजना पर अमल में देरी की वजह न बने।

प्रोजेक्ट के लिए इन जमीनों की जरूरत

जिंसी चौराहा पर भोपाल ग्लू फैक्ट्री, शाहजहांनाबाद स्थित बाग मकबरा शरीफ की करीब 30 एकड़, आरा मशीनों की लगभग आधा एकड़, सुभाष नगर से पुल बोगदा तक 2.1 एकड़, पातरा नाले के आसपास एक एकड़ से अधिक, ग्रांड होटल के पास एक एकड़ से ज्यादा, बड़ा बाग कब्रिस्तान की 2.4 एकड़, नवाब साजिया सुलतान के नाम पर 0.30 एकड़ समेत अन्य।

टीडीआर में मिलेगी अतिरिक्त निर्माण की अनुमति: भूमि अधिग्रहण में क्षतिपूर्ति के तौर पर टीडीआर का भी प्रावधान रखा गया है। इन नियमों में संबंधित भू स्वामी को अतिरिक्त निर्माण की अनुमति यानि फ्लोर एरिया रेशो दिया जाता है। वो इसे उसी स्थान पर या कही ओर उपयोग कर सकता है। इतना ही नही टीडीआर सर्टिफिकेट के जरिए एफएआर खरीद या बेच भी सकेंगे। यह नियम अगले महीने से लागू होने की संभावना है।

ऐसे होगी क्षतिपूर्ति

- बिना विस्थापन केवल आंशिक तौर से अधिग्रहित निजी भूमि के लिए, क्षतिपूर्ति में भूमि का बाजार मूल्य प्लस 100 फीसदी सॉलेटियम या 200 प्रतिशत टीडीआर, छह लाख का वन टाइम पेमेंट, एक बार पुनः विस्थापन भत्ता 50 हजार रुपए।
- विस्थापन के साथ पूरी निजी भूमि अधिग्रहित करने पर, क्षतिपूर्ति में भूमि का बाजार मूल्य प्लस 100 फीसदी सॉलेटियम या 200 प्रतिशत टीडीआर, छह लाख का वन टाइम पेमेंट, एक बार पुनः विस्थापन भत्ता 50 हजार रु, एक बार जीवन निर्वाह भत्ता 36 हजार, एक बार परिवहन भत्ता 50 हजार रुपए।
- निजी आवासीय संपत्ति के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण पर भूमि की क्षतिपूर्ति के साथ संरचना का बाजार मूल्य प्लस 100 फीसदी सॉलेटियम, एक बार सहायता 1.50 लाख।
- निजी व्यवसायिक संपत्ति के आंशिक या पूर्ण अधिग्रहण पर जमीन की क्षतिपूर्ति के साथ संरचना का बाजार मूल्य प्लस 100 फीसदी सॉलेटियम, दुकान की क्षति के लिए एक बार सहायता 25 हजार रुपए।
- किराये व लीज की आवासीय संपत्ति के लिए एक बार परिवहन भत्ता 50 हजार, एक बार पुनः विस्थापन भत्ता 50 हजार।
- अतिक्रमणकारी को भी क्षतिपूर्ति के तौर पर निर्मित ढांचे के प्रभावित अंश का बाजार मूल्य।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	Nav Duniya	Bhopal	26.12.2023	02	मेट्रो के ब्रेक लगते ही उत्पादित होगी ऊर्जा 45 प्रतिशत बिजली की बचत का प्रविधान	positive

II नवदुनिया भोपाल, मंगलवार, 26 दिसंबर, 2023 राजधानी www.naidunia.com

तैयारीः मप्र मेट्रो रेल कंपनी संचालन के लिए थर्ड रेल तकनीक का करेगी उपयोग

मेट्रो के ब्रेक लगते ही उत्पादित होगी ऊर्जा 45 प्रतिशत बिजली की बचत का प्रविधान

भोपाल (नवदुनिया प्रतिनिधि)। राजधानी में मेट्रो का ट्रायल रन पूरा हो गया है। अब इसके कमर्शियल रन की तैयारी की जा रही है। इस दौरान थर्ड रेल तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। यानी अब मेट्रो पटरियों में प्रवाहित होने वाले करंट से दौड़ेगी। इसके ब्रेक से ऊर्जा का उत्पादन होगा, जिससे मेट्रो के संचालन में 45 प्रतिशत तक बिजली की बचत होगी।

मेट्रो रेल कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि थर्ड रेल तकनीक में रेलवे ट्रैक पर सिरेमिक इंसुलेटर लगाए जाते हैं, ताकि कोई इसके संपर्क में आ भी जाए तो उस पर करंट का प्रभाव न पड़े। जबकि मेट्रो में करंट के लिए ट्रेन में धातु (मेटल) का एक कान्टैक्ट ब्लाक होता है, जिसे कलक्टर शूज (कान्टैक्ट शूज) कहा जाता है। यह कलक्टर शूज उसी तरह से इंसुलेटर के संपर्क में रहता है, जैसे आम ट्रेनों के इंजन का पेंटो ओएचई से रगड़ता रहता है। कलक्टर शूज के साथ एक सहूलियत और होती है कि इसका संपर्क इंसुलेटर के ऊपर, नीचे या फिर बराबर में कहीं से भी किया जा सकता है।

ट्रैक पर पिछले दिनों हुए ट्रायल रन के दौरान दौड़ती मेट्रो। • नवदुनिया

इस तरह होगा काम

1. अनअटेंडेंट आब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम: इस सिस्टम की सहायता से मेट्रो और प्लेटफार्म पर संचालन के दौरान हर वस्तु पर सुरक्षाकर्मी बारीक नजर रखेंगे। ऐसा कोई भी सामान जिसका कोई दावेदार नहीं होगा। उसे तुरंत ही प्लेटफार्म से हटाया जाएगा।

2. डीरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम: इसके जरिये ट्रैक पर किसी तरह की बाधा होने पर या मेट्रो ट्रेन के डीरेलमेंट होने पर तुरंत जानकारी मिलेगी। ऐसे में ट्रेन को समय पर रोका जा सकेगा।

3. इनबिल्ट साइबर सिक्योरिटी सिस्टम: मेट्रो के संचालन का सिस्टम पूरी तरह से साइबर सिक्योरिटी से लैस होगा। ऐसे में इसे हैक करना लगभग नामुमकिन होगा। साथ ही इससे यह सुनिश्चित होगा कि हर ट्रेन का संचालन सही रास्ते पर है।

क्या है थर्ड रेल तकनीकी: मेट्रो में पावर सप्लाई के लिए दो तरीके हैं। पहला है ओएचई का, जिसका प्रयोग आम ट्रेनों के लिए भी किया जाता है। दिल्ली समेत देश के कई शहरों में मेट्रो में भी इसी का इस्तेमाल होता है। दूसरा तरीका है थर्ड रेल का। इसमें ट्रेनों की पटरियों के बराबर या बीच में एक और पटरी बिछाई जाती है। इसे कंडक्टर रेल भी कहते हैं। इसी में करंट प्रवाहित होता है। देश में बेंगलुरु, कानपुर और नागपुर में पावर सप्लाई के लिए थर्ड रेल का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। वहां यह मेट्रो की दाहिनी पटरी के समानांतर बिछाई गई है।

आधुनिक सुरक्षा प्रणाली का उपयोग: मेट्रो कई आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस होगी, जिसमें अनअटेंडेंट आब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डीरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम के जरिये यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इसके अलावा साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जाएगा।

"अभी तक इस ऊर्जा का इस्तेमाल नहीं हो पाता था। ऐसा इसलिए क्योंकि थर्ड रेल सिस्टम में ट्रेन की ब्रेकिंग से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह डीसी फार्म में होती है। जबकि बाकी मेट्रो तंत्र अल्टरनेटिंग करंट (एसी) करंट पर चलता है। इंजीनियरों ने इस कमी को दूर करते हुए खास इन्वर्टर की व्यवस्था की है, जो ट्रेन की ब्रेकिंग से पैदा होने वाले 750 वोल्ट डीसी करंट को 33 केवी एसी करंट में बदलकर फिर से सिस्टम में भेज देगी। – **शोभित टंडन,** निदेशक (सिस्टम), भोपाल मेट्रो

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	दैनिक भास्कर	भोपाल	30.12.2023	06	मेट्रो का ट्रायल रन हुआ , अप्रैल तक लोगों के लिए होगी शुरू	positive

दैनिक भास्कर भोपाल 30-12-2023

ईयर बुक 2023 | भोपाल की चर्चित तस्वीरें

भोपाल, शनिवार 30 दिसंबर, 2023 6
dainikbhaskar.com

ये साल की वो तस्वीरें हैं, जो भोपाल के इतिहास में दर्ज हो चुकी हैं। इस साल जमीन से लेकर आसमां तक नई बुलंदियों को छुआ। पहली बार मेट्रो भोपाल पहुंची, ट्रायल भी हुआ तो बड़ा तालाब सबसे बड़े एयर शो का गवाह बना... कुछ घटनाएं दर्द भी दे गईं।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट

मेट्रो का ट्रायल रन हुआ, अप्रैल तक लोगों के लिए होगी शुरू

3 अक्टूबर... भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से शुरू हुआ। मेट्रो ने रानी कमलापति स्टेशन तक करीब 5.5 किमी का सफर तय किया। इस सफर को पूरा करने के लिए मेट्रो को करीब 20 मिनट 10 सेकंड का समय लगा।

अब क्या स्थिति... इस ट्रैक पर अप्रैल तक मेट्रो का संचालन शुरू हो सकता है। अभी कुछ मेट्रो स्टेशन का काम चल रहा है। हालांकि एम्स तक संचालन में रेलवे क्रॉसिंग पर स्टील ब्रिज बनना है, लेकिन अब तक धरातल पर इसका काम शुरू नहीं हुआ।

MPMETRO
Rail Corporation Limited

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	Free Press	Bhopal	30.12.2023	03	Second set of metro coaches to reach city by mid jan	Positive

BHOPAL

Pg-03

www.freepressjournal.in

BHOPAL | SATURDAY | DECEMBER 30, 2023

Second set of Metro coaches to reach city by mid-Jan

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The second set of Metro train coaches is expected to reach Bhopal by mid January.

Currently, works of the Railway Over Bridge and five Metro stations are underway.

As of now, the Metro officers are waiting to get new directives from Chief Minister Mohan Yadav over how the project should be stimulated. Amidst this, the basic works of the projects are going on.

Efforts are being made to complete the project by its set deadline. About 4.5 km of railway track has been laid down. In the meantime, regular testing of the metro train, which ran till Rani Kamlapati railway station from Subash Nagar Metro station under trial run is still being done to ensure that it fulfils all security parameters.

After the second Metro train arrives, it will also be subjected to security trial run. Meanwhile, the second metro train has arrived in Indore.

MPMETRO
Rail Corporation Limited

31 December2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	Dainik Jagran	Bhopal	31.12.2023	05	अलविदा 2023 राजधानी में ट्रेक पर आई मेट्रो, बीआरटीएस का रोड़ भी हटा	Positive

दैनिक जागरण
विविध
12
भोपाल, 31 दिसंबर, 2023 SUNDAY www.djmp.in/epaper

राजधानी में सौगातों और ऐतिहासिक फैसलों का रहा 2023, इनका रहवासियों के जीवन पर सीधा असर

अलविदा 2023! राजधानी में ट्रेक पर आई मेट्रो, बीआरटीएस का रोड़ा भी हटा

जागरण प्रतिनिधि, भोपाल। वर्ष 2023 प्रदेश की राजधानी भोपाल के लिए सौगातों और ऐतिहासिक फैसलों से जुड़ा रहा। जिनका सीधे तौर पर रहवासियों के जीवन पर असर पड़ा है। सबसे बड़ी सौगात भोपाल के लिए मेट्रो रही है। 2023 में जहां सुभाष नगर से एम्स तक का पहले फेज का काम तेजी से चला। वहीं 3 अक्टूबर को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मेट्रो का ट्रायल भी कर चुके हैं। सभी ट्रायल सफल रहे हैं। अभी यह मेट्रो सुभाष नगर डिपो में खड़ी है। कुल मिलाकर 2023 में ही भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट ट्रेक पर आ चुका है। दूसरा सबसे बड़ा फैसला बीआरटीएस यानी बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम को लेकर रहा। कहने को तो लोक परिवहन में तेजी और सुगमता लाने के लिए इसे बनाया गया था, लेकिन निर्माण के समय से ही यह विवादों में रहा। इसे हटाने को लेकर चर्चा तो कई बार हुई, लेकिन फैसला नवनियुक्त मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसी साल 26 दिसंबर को लिया। बता दें कि बीआरटीएस की वजह से ट्रेफिक जाम की तो स्थिति बन ही रही थी, साथ ही इसके कारण सड़क दुर्घटनाओं में कई अपनी जान तक गंवा चुके हैं।

सीएस तक को लग चुकी है फटकार

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2023 में कई ऐतिहासिक फैसले दिए, लेकिन सबसे चर्चित मामला तात्कालीन मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैस को लगी फटकार को लेकर रहा। केरवा और कलियासोत डेम के कैचमेंट में हुए अतिक्रमण मामले में लापरवाही बरतने पर एनजीटी ने अगस्त में मुख्य सचिव को ही फटकार लगाते हुए 5 लाख का जुर्माना इकबाल सिंह बैस पर लगा दिया था, हालांकि एनजीटी में बेंच के सदस्य बदलने के बाद इस जुर्माने के आदेश को बदल दिया गया।

तालाब में बंद हुई क्रूज व मोटर बोट

राजधानी भोपाल की पहचान बड़े तालाब के संरक्षण को लेकर भी एनजीटी ने 2023 में ही ऐतिहासिक फैसला सुनाया। 12 सितंबर को इसमें चलने वाली मोटर बोट्स और क्रूज पर पाबंदी लग गई। पर्यटक अब बड़े तालाब में इनका लुत्फ नहीं उठा पा रहे हैं। तालाब में इनके संचालन से प्रदूषण हो रहा था। यही कारण है कि एनजीटी ने इस पर रोक लगा दी। यह रोक वर्तमान में भी लागू है।